लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17
वर्ष 04 अंक 01 लखनऊ। सोमवार 25 से 01 अक्टूबर-2017
e-mail-pawanprawah@gmail.com
मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

हाथ पासिंग

(भाग-18)

पिछले 17 (सत्रह) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जौ भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्त्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता हैः ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने का अवशेष भाग बताया गया है।

क्रमशः पूर्व का अवशेष...: जैसा कि आप आभा को देखने के लिए सीखते हैं, आप जो अन्य जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं, उसके साथ आप जो भी देखते हैं उसे एकीकृत करेंगे। आप सहज ज्ञान युक्त पढ़ने, आभा देखने, और अन्य तरीकों से आपको जानकारी प्राप्त करनी चाहिए, अलग तकनीकों के रूप में नहीं, बल्कि आपके रोगी के स्वास्थ्य को समझने की एक सतत प्रक्रिया के भाग के रूप में देखें। जैसा कि आप सीखना शुरू करते हैं, आप बस शरीर की रूपरेखा का उपयोग करके सहज ज्ञान युक्त पढ़ने के साथ शुरू करना चाह सकते हैं। इससे आपको शुरुआत में, आपके लिए आवश्यक जानकारी हासिल करना आसान हो सकता है। इसके बाद आप ऊपर दी गई चमकदार तकनीक का उपयोग करके आभा को देखने का प्रयास भी कर सकते हैं। दो तकनीकों को जोड़ना भी संभव है, शायद आभा को देखने में कुछ सफलता मिलने के बाद, ताकि आप मरीज के शरीर पर अपनी आँखें खोलकर ध्यान केंद्रित कर सकें, और फिर छुटकारा दें, सहज जानकारी को आपके मन की आंखों में आने की अनुमति दें आपने अपने खुद के देखने के साथ प्राप्त की गई जानकारी को पुष्टि और पुष्टि करने का प्रयास किया है। आप अपने दिमाग की आंखों में मनोविज्ञानी जानकारी का इस्तेमाल कर उपचार की योजना बना सकते हैं और अपना खुद का दृश्य देखने को इसमें शामिल कर सकते हैं। ये सभी चरण-चरण हैं जो आपके मरीज की आभा के स्वास्थ्य को देखने और उनका आंकलन करने के लिए सीखने की एक प्रक्रिया में हैं। आपके लिए आभा पढ़ने सीख सबसे अच्छा हो सकती हैं,जब आप अपनी क्षमताओं को देखते हुए आप किसी भी प्रकार से व्यक्ति की आभा उसके विशेष समय पर अनुभव करते हैं।

आप अपनी आभा को देखने के साथ अपने सहज ज्ञान युक्त (मन की आंखों) जानकारी की पुष्टि करने का प्रयास कर रहे हैं, तो यह समझना महत्वपूर्ण है कि, पहली बार में, दो जानकारी स्त्रोतों समान जानकारी देने के नहीं हो सकता है महत्वपूर्ण है। इसका कारण यह है कि आप एरिक घटनाओं पर सहज जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जो अभी तक आपके भौतिक आंखों के लिए दिखाई नहीं दे रहा है। सहज ज्ञान युक्त तरीकों का प्रारंभिक बिंदु और प्रविष्टि, आभा सीधे-सीधे देखने में होती है- अंततः क्षेत्र को आँखों से प्रत्यक्ष रूप से देखने की क्षमता प्राप्त करना अच्छा होता है।

यह सब उपचार के दौरान अपने सहज और आभा को देखने क्षमताओं का उपयोग करने के लिए आदर्श है, उन्हें बाद में रोजगार, साथ ही, अपने प्रारंभिक रीडिंग लेने और इलाज के लिए शुरू करने के बाद। आप देख सकते हैं कि ये दो तकनीकों वास्तव में समान हैं, और यह कि मन की आंखों और भौतिक आंखों के साथ देखने में वास्तव में कोई अंतर नहीं है-वे एक हैं। यह आभा के प्रत्यक्ष देखने में कम से कम पहली बार में, पूरी तरह से अपना उपचार में शामिल करने के लिए आवश्यक नहीं है, लेकिन यह एक उन्नत तकनीक तुम कोशिश करना चाहते हो सकता है, जो भी महत्वपूर्ण है वह है जो आप करते हैं जो आपके लिए समझ और सीखने के लिए सबसे आसान बनाता है ।

17.0 आकस्मिक उपचार आवश्यकताओं

मानसिक स्थिति व निदान की जानकारी प्राप्त करने और अपने आप आभा देखने का प्रयास करने के बाद, आप अपने से तीसरे मुख्य 'सूचना स्त्रोत' के रूप में हाथों के चलाने का उपयोग करेंगे, जैसे-जैसे आप अपने मरीज की उपचार आवश्यकताओं के बारे में अनुभवी होने की प्रक्रिया में आगे बढ़ते हैं।

ऊर्जा स्तर-I में, आप मानव ऊर्जा क्षेत्र को समझने और हाथों के हाथों का अभ्यास करने का अनुभव प्राप्त कर चुके है । इस स्तर-II में, आप इस तकनीक में अतिरिक्त अभ्यास से लाभान्वित होंगे, ताकि आप इसमे पारंगत हो सकें और इसके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। अब जब आप दूसरी स्तर की अभ्यास या समस्वरता प्राप्त कर चुके हैं, तो आपके हाथ चलाने मे अधिक संवेदनशील होंगे, जो आपके लिए ऊर्जा को समझना आसान बनाएगा। हाथ को ऊपर से गुजारने वाले शरीर का परीक्षण करने के बाद, आप अपने मरीज की स्थिति के बारे में जानकारी के सभी तीन स्त्रोतों के परिणाम को ले लेंगे और उन्हें अपने रोगी की जरूरतों की व्याख्या में जोड़ेंगे। आप इसको केवल 'तर्कसंगत' तरीके से ही नहीं देखेंगे, बल्कि एक तरह से, प्रत्येक सूचना स्त्रोतो को एकत्रित कर व उन सभी की आवश्यकता अपने रोगी की स्थिति के बारे में जागरूकता देने के लिए एक साथ काम करेगे जिससे आपको संपूर्णता का अनुभव होता रहे।

17.1 रोगी के ऊर्जा क्षेत्र पर हाथों को चलाने (पासिंग ऑफ हैन्ड) के अभ्यास को परिशोधित करना।

रोगी के ऊर्जा क्षेत्र के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए, उचित तरीके से हाथों को उसके ऊर्जा क्षेत्रों पर चलाने का अभ्यास करना महत्वपूर्ण है। शरीर के सामने ही अपने हाथ को चलाये (पास करें),जिसमे सम्पूर्ण शरीर- हाथ-पैर सहित व सिर के आसपास का क्षेत्र भी सामिल हो। अब आप हथेली नीचे की तरफ ले जाये, साथ ही उंगलियों को थोड़ा-बहुत फैला दें। अब हाथ को वही पर रोककर आराम करने दे,जिससे आप में ऊर्जा की अनुभूति के प्रति ग्रहणशीलता बढ़ जाय। ध्यान दें कि यह 'ग्रहणशील चरण' के कैसे पूर्व के अनुभव के समान है जो आप पहले सीख चुके है। आपका हाथ पास करना अपने रोगी की शरीर की सतह से 4 से 5 इंच ऊपर रहना चाहिए और ऊर्जा की संवेदनक्षमता के दौरान हाथ धीरे-धीरे व धीरे-धीरे आगे बढ़ाते जाना चाहिए, जिसकी गति लगभग 2 इंच प्रति सेकंड से अधिक नही होनी चाहिये।

आप एक ही क्षेत्र में एक साथ दोनों हाथ एक के ऊपर रखने का विकल्प चुन सकते हैं (परंतु इसमें कोई विशेष लाभ नहीं है), उन्हें एक ही समय में अलग-अलग क्षेत्रों पर ले जाएं अथवा अकेले एक हाथ का उपयोग करें। अक्सर एक समय में एक हाथ से काम करना सबसे आसान और सबसे अच्छा होता है और आपको उसे अनुभव करने या समझने में आसान बनाता है । आम तौर पर शुरुआती दौर में, दाहिने हाथ थोड़े अधिक संवेदनशील होते हैं, हालांकि कुछ अनुभव के बाद, दोनों हाथ शायद समान संवेदनशील में हो जाएंगे। दिन-प्रतिदिन दोनों हाथों में आपकी संवेदनशीलता भी परिवर्तित होती है और साथ ही में अपने आप में बदलाव की अनुभूति भी।

पहले चरण में आपको जो उंगलियों के चलाने का अभ्यास कराया गया था,वे आपको ऊर्जा के सूक्ष्म संवेदनाओं से अवगत कराती थी और आप इसे अपने हाथों से अनुभव करते थे। अब आप अपने ऊर्जा उपचार के रूप में, अपने रोगी के एक हिस्से मे ऊर्जा क्षेत्र को भी समझने लगे हैं तथा अन्य अभ्यास जिसे आप अब आगे सीखेंगे वह आपकी संवेदनशीलता को ट्यूनिंग में आपको मदद करेंगी।

चिन्हों (प्रतीकों) का उपयोग करके, ऊर्जा को बुलाए जाने के बाद, अपने दोनों हाथों को आराम से, सामने व हथेलियों के साथ खोलें और उंगलियां थोड़ी सी फैलाकर रखें। अब, हथेली सतह 4 से 5 इंच के दूरी बनाकर एक दूसरे के ऊपर अपने हथेलियों को पास करें। आपको सनसनी के लिए ध्यान देकर और अपने पूरी जिज्ञासा के साथ कुछ अनुभव हो सकता है, जब आप अपने हाथों को एक-दूसरे के ऊपर उन्हें गुजारें और केवल 'समझने' की कोशिश न करें। इस अभ्यास को एक दिन में कई बार करें-जब आप इस अभ्यास करते रहेंगे तो आपकी अपनी संवेदनशीलता को ट्यूनिंग होती रहेगी। आप एक गहरे स्तर पर पहुंचकर, नाजुक संवेदनाओं के ऊर्जा का अनुभव करेंगे जो आपके प्रत्येक हथेलियों में ऊर्जा पैदा होती है और अपने हाथो की अलग-अलग उत्तेजना की तुलनात्मक, रेफाइनिंग और एकीकृत कर रही होती हैं।

इसका अपने रोगियों के ऊर्जा क्षेत्र का परीक्षण करते समय, आप अपने संवेदनशीलता को भी ट्यून करने के लिए भी काम कर सकते हैं। हाथों के पासिंग का अभ्यास करते समय, पहले एक हाथ पास करके, रोगी के दिए गए क्षेत्र में, जहा सनसनी का पता लगता है, उसी पर हाथ को पास करना फायदेमंद होता है । यह भी अनुभव किया गया है कि जहा एक हाथ सनसनी महसूस कर सकता है, वही दूसरा हाथ उससे थोड़ा अलग अनुभव कर सकता है। यह अनुभव, ऊर्जा को अधिक समझने के परिप्रेक्ष्य में एक विस्तार होता है। मानसिक संवेदनाओं को समझने की कोशिश नहीं करनी है, बस शरीर की ऊर्जा के बारे में आपको और अधिक संपूर्ण सहज ज्ञान देने के अनुभव की प्राप्ति होगी। जब आप अपनी संवेदनशीलता को 'ट्यूनिंग' करते हैं, तब आप अपनी संवेदनशीलता और ऊर्जा को समझने में वृद्धि कर रहे होते हैं, लेकिन इस समय आप अपने दिमाग के साथ ही संवेदनाओं की व्याख्या नहीं करते हैं।

जब आप अपने मरीज के शरीर पर कुछ क्षेत्रों में, अपने हाथ पास करते हैं, आप नाजुक संवेदनाओं को महसूस कर सकते हैं, जैसे, गर्म, ठंड, आकर्षण या दूर हटने (टक्कर) के रूप में प्रकट हो सकते हैं या किसी अन्य तरीके से। हाथों में संवेदना-जो हाथ से महसूस की जा रही है, जरूरी नहीं औरिक क्षेत्र से ही जुड़ी है, परंतु मन में भावनाओं और उनमे चमक की घटनाओं पर जानकारी देते हैं। हालांकि, हाथों से गुजरने के दौरान, हाथों से या अंतर्ज्ञान के साथ, आप जो कुछ भी समझ सकते हैं, उसके बारे में किसी भी पूर्वधारणा से मुक्त रहने के लिए यह महत्वपूर्ण है। आप पाएंगे कि इस तकनीक का समय के साथ अभ्यास करने से आपकी ऊर्जा में अधिक से अधिक और अधिक संवेदनशीलता प्राप्त कराने में क्षमता दिखायी देगी। रोगी के क्षेत्र में और रोगी की ऊर्जा के प्रति अपनी संवेदनशीलताएं का अनुभव बढ़ाये तथा इसे जानने के लिए प्रयास करें। शरीर में ऊर्जा प्रवाह की भावनात्मक स्थिति को प्राप्त करें और उन क्षेत्रों को पहचानें जहां प्रवाह अवरोधित है।

आप संवेदना और ऊर्जा प्रवाह बनने के साथ, इसे एक मे मिलाने की कोशिश भी कर सकते हैं, क्योंकि इससे ऊर्जा और ऊर्जा क्षेत्र को आपकी संवेदनशीलता के अनुभव में मदद मिलेगी। इसलिए आपके पास ऊर्जा की अधिक समग्र रहने की धारणा बनेगी और यह आपके रोगी के क्षेत्र में जो भी ऊर्जावान दोष है, के अधिक सहज ज्ञान को जानने का अनुभव देगी । यह वह संवेदनाओं का स्त्रोत हो सकता है, जैसा कि आप रोगी को हाथों के पास से जांचते हैं। यह आपके रोगी की स्थिति के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता को आपके अस्तित्व में उभारने की कोशिश करेगा। अपने रोगी के क्षेत्र में जितनी अधिक आपकी संवेदनशीलता और अपनी स्थिति को समझना प्रारम्भ करेंगे, ऊर्जा उपचार के रूप में अधिक से अधिक आपकी अनुभव शक्ति बढ़ेगी।

अगले अंक भाग-19 में पढ़े...